MPSE-012

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (MPS) / राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर कला उपाधि (एक वर्षीय कार्यक्रम) (MAPSOY)

सत्रीय कार्य 2026-27

(द्वितीय वर्ष /द्वितीय सेमेस्टर)

MPSE-012: ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज

राजनीति विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, राजनीति विज्ञान के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक ट्यूटर मूल्यांकित असाइनमेंट (Tutor Marked Assignment) पूरा करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (MPS) के द्वितीय वर्ष के वैकल्पिक पाठ्यक्रम तथा एक वर्षीय कला स्नातकोत्तर (राजनीति विज्ञान) कार्यक्रम (MAPSOY) के द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के असाइनमेंट शामिल हैं।

सत्रांत परीक्षा में बैठने की पात्रता के लिए आपको सभी सत्रीय कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमा करने होंगे। सत्रीय कार्य आरंभ करने से पहले कृपया कार्यक्रम निर्देशिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह आवश्यक है कि आप उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर संबंधित भाग के लिए निर्धारित शब्द-सीमा के आसपास होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपका लेखन कौशल सुधरेगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार होंगे।

इन सत्रीय कार्यों सहित सभी सत्रीय कार्य आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा किए जाने हैं। जमा किए गए सत्रीय कार्यों की रसीद अध्ययन केंद्र से अवश्य प्राप्त करें और उसे सुरक्षित रखें। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र को आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाने होंगे। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए प्रदत्त अंक दर्ज करेगा और उन्हें इग्नू, नई दिल्ली स्थित छात्र मूल्यांकन प्रभाग (SED) को भेजेगा।

जमा करना:

पूर्ण किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार जमा किए जाने चाहिए।

सत्र	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**किसे जमा करें**
जुलाई 2026 सत्र के लिए **जनवरी 2027 सत्र के लिए**	**31 मार्च, 2027** **30 सितंबर, 2027**	**आपको आवंटित अध्ययन केंद्र के समन्वयक**

शुभकामनाओं सहित,

राजनीति विज्ञान संकाय

MPSE-012: ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज
(शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड: MPSE-012

सत्रीय कार्य कोड: MPSE-012/ASST/TMA/2026-27

पूर्णांक: 100

नोट: प्रत्येक भाग से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – I

1. ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय पहचान एंग्लो-केल्टिक आत्म-छवि से बहुसांस्कृतिक आत्म-छवि की ओर कैसे और क्यों अग्रसर हुई है?

2. 'श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति' (White Australia Policy) के पतन के क्या कारण थे, और उसका स्थान किस प्रकार की आप्रवासन व्यवस्था ने लिया?

3. विल किमलिका की उदारवादी बहुसंस्कृतिवाद (Liberal Multiculturalism) की अवधारणा ने उदारवाद-समुदायवाद बहस (Liberal-Communitarian Debate) से आगे बढ़ने का प्रयास किस प्रकार किया? ऑस्ट्रेलिया में नागरिकता के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का आकलन कीजिए।

4. ऑस्ट्रेलियाई संघवाद की प्रवृत्ति केंद्रीकरण की ओर क्यों रही है, और ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद (COAG) जैसे अंतरसरकारी निकायों ने कॉमनवेल्थ (संघीय सरकार) और राज्यों के बीच संतुलन को किस सीमा तक पुनःस्थापित किया है?

5. 1980 के दशक के बाद ऑस्ट्रेलिया के संरक्षणवाद से बाज़ारोन्मुख सुधारों की ओर हुए परिवर्तन का विवरण दीजिए, और आय-वितरण तथा कल्याण पर इसके परिणामों का आकलन कीजिए।

भाग – II

6. ऑस्ट्रेलिया में अधिवासी राष्ट्रवाद (Settler Nationalism) की तुलना आदिवासी (एबोरिजिनल) राष्ट्रवाद से कीजिए। हैन्सनवाद (Hansonism) ने बहुसांस्कृतिक राष्ट्रीय पहचान को किन रूपों में चुनौती दी?

7. व्यापार उदारीकरण के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों में केयर्न्स समूह (Cairns Group) और एपेक (APEC) की भूमिका का आकलन कीजिए।

8. भारतीय प्रवासी समुदाय (Indian Diaspora) का अनुभव ऑस्ट्रेलियाई बहुसंस्कृतिवाद की शक्तियों और सीमाओं, दोनों को किस सीमा तक प्रतिबिंबित करता है?

9. ऑस्ट्रेलिया में रोज़गार और राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं द्वारा अर्जित उपलब्धियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

10. क्या आप्रवासन ऑस्ट्रेलिया में सामाजिक सामंजस्य को सुदृढ़ करता है या उस पर दबाव डालता है? नृजातीयता (Ethnicity) और वैश्वीकरण के संदर्भ में चर्चा कीजिए।